

समाचार जगत

Date: 01/09/2017 Page No- 05

समाचार जगत 01/09/2017

Page 5

जयपुर, 1 सितम्बर 2017

5

मोटिवेशनल स्पीकर पी.एम. भारद्वाज ने 'एंटरप्रिन्सोर स्किल्स' पर छात्रों को किया सम्बोधित

छात्रों को दिए सफल उद्यमी बनने के मूल मंत्र



जयपुर (कासं)। द इक्वाई यूनिवर्सिटी जयपुर में गुरुवार को 'एंटरप्रिन्सोर स्किल्स' विषय पर विस्तृत व्याख्यान आयोजित किया गया। इसमें देश के जाने माने मोटिवेशनल एवं मैनेजमेंट गुरु पी.एम. भारद्वाज ने छात्रों को सम्बोधित किया और विषय के बारे में विस्तारपूर्वक बताया। उन्होंने छात्रों को उद्यमी बनने के लिए सरकार की ओर से शुरू की हुई विभिन्न योजनाओं का फायदा उठाने के लिए प्रोत्साहित किया।

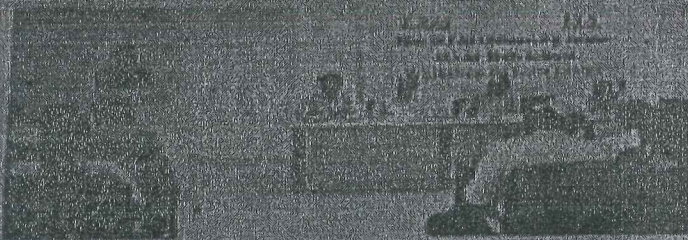
उन्होंने सफल उद्यमी बनने के मूल मन्त्र दिए और कहा कि इंसान पूरी मेहनत, लगन, आत्मविश्वास और दृढ़ता के साथ योजनाबद्ध तरीके से काम करे तो सफलता निश्चित है। विश्वविद्यालय के प्रेजिडेंट पी.बी.एल. चौरसिया ने छात्रों को विषय के बारे में बताते हुए कहा कि उन्हें नौकरी करने के बजाए उद्यमी बनना चाहिए। भारत में सब तरह के संसाधन उपलब्ध है और उनका उचित प्रयोग करते हुए रोजगार के नए अवसर लोगों को देने चाहिए, जिससे कि भारत भी अन्य विदेशी देशों जैसे जापान, यूएसए की तरह प्रगति कर सके।





आईसीएफआई यूनिवर्सिटी में सौर ऊर्जा पर कार्यशाला

जयपुर। आगरा रोड पर जामडोली स्थित दी आईसीएफआई यूनिवर्सिटी में गुरुवार



को सौर ऊर्जा पर तीन दिवसीय कार्यशाला शुरू हुई। 29 अप्रैल तक चलने वाली इस कार्यशाला का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष डॉ. पी.बी.एल. सोरासिया ने किया। कार्यशाला का आयोजन

आईसीएफआई स्कूल एंड एडवेंट फाउंडेशन कर रहे हैं। फाउंडेशन के अध्यक्ष चन्द्रशेखरन एवं प्रो. ए.के. मैनी ने सौर ऊर्जा उपयोग के तरीकों एवं उपकरणों के बारे में बताया। संयोजक प्रो. रमा मुखर्जी एवं डॉ. विशाल माधुर ने बताया कि कार्यशाला में छात्रों को सौर ऊर्जा के बारे में जानकारी दी जाएगी। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार पी. जी. डी. रावेल ने आगंतुकों का स्वागत किया।

Daily News

Date: 28/04/2017 Page No- 12

सौर ऊर्जा पर तीन दिवसीय वर्कशॉप शुरू

डेली न्यूज, mix रिपोर्टर

जयपुर। आगरा रोड पर जामखेली स्थित दी इक्फाई यूनिवर्सिटी में सौर ऊर्जा पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। संस्थान के प्रेसिडेंट डॉ. पीबीएल चौरसिया ने कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला का संचालन इक्फाई टेक स्कूल एंड एडवेंट फाउंडेशन की ओर से किया जा रहा है। एडवेंट फाउंडेशन के प्रेसिडेंट चंद्रशेखरन और इक्फाई स्कूल के डीन एके सैनी ने भारत में सौर ऊर्जा की महत्ता एवं इसके उपयोग के विभिन्न तरीकों एवं उपकरण के बारे में जानकारी दी। कार्यशाला के संयोजक प्रो. राना मुखर्जी एवं डॉ. विशाल माथुर ने बताया कि इस तीन दिवसीय कार्यशाला में सौर ऊर्जा के प्रायोगिक कार्यों के बारे में विस्तार से विद्यार्थियों एवं बाहर से आए हुए अतिथियों को बताया जाएगा। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डॉ. जीडी राठौड़ ने सभी का स्वागत किया।

क्विवज का आयोजन

पत्रिका के अंतर्गत
Date: 01/03/17

मंचन 3 को

जयपुर, (कासं): जामडोली स्थित द इक्फाई यूनिवर्सिटी में नेशनल साइंस-डे के अवसर पर मंगलवार को साइंस सिम्पोजिया-17 आयोजित किया गया। जिसमें विभिन्न कॉलेजों व यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स शामिल हुए। इसमें साइंस क्विवज व पेपर प्रजेंटेशन सहित विभिन्न कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया। इस मौके पर कार्यक्रम के अध्यक्ष यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. पी. बी. एल. चौरसिया एवं विशिष्ट अतिथि एडवाइजर एस. एस. जैन थे। इस अवसर पर डॉ. चौरसिया ने स्टूडेंट्स को जीवन में विज्ञान की महत्ता बताई।

जयपुर, (कासं): नेशनल डिफेन्स डे पर 3 मार्च को शाम 6.30 बजे रवीन्द्र मंच के ओपन एयर थिएटर में कलामंच संस्था की ओर से नाटक सैल्युट कमाण्डो का मंचन होगा। कलावत के. एल. लिखित व निर्देशित इस नाटक में दर्शाया जाएगा कि कठिन परिस्थितियों में प्रशिक्षण लेने के बाद कमाण्डो को किन समस्याओं से जूझना पड़ता है।

जवानों को समर्पित यह नाटक 50 दिन की वर्कशॉप में तैयार किया गया है। इस नाटक का मकसद युवाओं में देश के प्रति समर्पण की भावना जाग्रत करना है।

Date: 01/03/17



डेवी न्यूज
Date: 01/03/2017

जाना साइंस डे का महत्व

डेवी न्यूज, malx रिपोर्टर, जयपुर।
इक्साई यूनिवर्सिटी में नेशनल साइंस डे के
मार्के पर 'साइंस सिम्पोजिया-17' कार्यक्रम
हुआ। इसमें विभिन्न कॉलेजों व यूनिवर्सिटी
के स्टूडेंट्स शामिल हुए। इस दौरान साइंस
क्वैज व पेपर प्रजेंटेशन समेत विभिन्न
कॉम्पिटिशन का आयोजन किया गया।
यूनिवर्सिटी के वहास चांसलर डॉ. पीवीएल
चौरासिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की।

समाचार काल

Date: 01/03/2017

समाचार जगत

साइंस के विभिन्न शाखाओं पर विस्तार से बंधन

दइक्फर्ड यूनिवर्सिटी, नामडेली में नेशनल साइंस डे के अवसर पर मंगलवार को साइंस सिम्पोजियम 17 में साइंस क्रिज व पेपर प्रजेंटेशन समेत विभिन्न कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया गया। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. पीबोएला चौरासिया ने अध्यक्षता की। एडवाइजर एसएस जैन गेस्ट ऑफ ऑनर थे। डॉ. चौरासिया ने जीवन में विज्ञान की महत्ता बतई।

दैनिक भास्कर

Date-01/03/2017 पेज न० 20

साइंस डे पर हुआ विज्ञान कॉम्पिटिशन



सिटी रिपोर्टर • द इक्वाई यूनिवर्सिटी में नेशनल साइंस डे के अवसर पर मंगलवार को 'साइंस सिम्पोजिया-17' आयोजित किया गया। कार्यक्रम में साइंस विज्ञान व पेपर प्रजेंटेशन जैसे कॉम्पिटिशन भी कराए गए, जिनमें विभिन्न कॉलेजों व यूनिवर्सिटी के स्टूडेंट्स ने भाग लिया। यूनिवर्सिटी के वाइस चांसलर डॉ. पी.बी.एल. चौरासिया ने स्टूडेंट्स को जीवन में विज्ञान की महत्ता बताई एवं नोबेल पुरस्कार के इतिहास के बारे में जानकारी दी। गेस्ट ऑफ ऑनर एस.एस. जैन ने विज्ञान के लाभ व नुकसान, दोनों पहलुओं के बारे में चर्चा की।

विज्ञान सारक
हुआ शुभारंभ

विज्ञान समाज का
हृदय है समाज

[illegible][illegible]

一、政治：(一) 憲法：(1) 中華民國 憲法 (2) 臨時約法 (3) 約法 (4) 臨時憲法 (5) 臨時約法 (6) 約法 (7) 臨時憲法 (8) 臨時約法 (9) 約法 (10) 臨時憲法 (11) 臨時約法 (12) 約法 (13) 臨時憲法 (14) 臨時約法 (15) 約法 (16) 臨時憲法 (17) 臨時約法 (18) 約法 (19) 臨時憲法 (20) 臨時約法 (21) 約法 (22) 臨時憲法 (23) 臨時約法 (24) 約法 (25) 臨時憲法 (26) 臨時約法 (27) 約法 (28) 臨時憲法 (29) 臨時約法 (30) 約法 (31) 臨時憲法 (32) 臨時約法 (33) 約法 (34) 臨時憲法 (35) 臨時約法 (36) 約法 (37) 臨時憲法 (38) 臨時約法 (39) 約法 (40) 臨時憲法 (41) 臨時約法 (42) 約法 (43) 臨時憲法 (44) 臨時約法 (45) 約法 (46) 臨時憲法 (47) 臨時約法 (48) 約法 (49) 臨時憲法 (50) 臨時約法 (51) 約法 (52) 臨時憲法 (53) 臨時約法 (54) 約法 (55) 臨時憲法 (56) 臨時約法 (57) 約法 (58) 臨時憲法 (59) 臨時約法 (60) 約法 (61) 臨時憲法 (62) 臨時約法 (63) 約法 (64) 臨時憲法 (65) 臨時約法 (66) 約法 (67) 臨時憲法 (68) 臨時約法 (69) 約法 (70) 臨時憲法 (71) 臨時約法 (72) 約法 (73) 臨時憲法 (74) 臨時約法 (75) 約法 (76) 臨時憲法 (77) 臨時約法 (78) 約法 (79) 臨時憲法 (80) 臨時約法 (81) 約法 (82) 臨時憲法 (83) 臨時約法 (84) 約法 (85) 臨時憲法 (86) 臨時約法 (87) 約法 (88) 臨時憲法 (89) 臨時約法 (90) 約法 (91) 臨時憲法 (92) 臨時約法 (93) 約法 (94) 臨時憲法 (95) 臨時約法 (96) 約法 (97) 臨時憲法 (98) 臨時約法 (99) 約法 (100) 臨時憲法 (101) 臨時約法 (102) 約法 (103) 臨時憲法 (104) 臨時約法 (105) 約法 (106) 臨時憲法 (107) 臨時約法 (108) 約法 (109) 臨時憲法 (110) 臨時約法 (111) 約法 (112) 臨時憲法 (113) 臨時約法 (114) 約法 (115) 臨時憲法 (116) 臨時約法 (117) 約法 (118) 臨時憲法 (119) 臨時約法 (120) 約法 (121) 臨時憲法 (122) 臨時約法 (123) 約法 (124) 臨時憲法 (125) 臨時約法 (126) 約法 (127) 臨時憲法 (128) 臨時約法 (129) 約法 (130) 臨時憲法 (131) 臨時約法 (132) 約法 (133) 臨時憲法 (134) 臨時約法 (135) 約法 (136) 臨時憲法 (137) 臨時約法 (138) 約法 (139) 臨時憲法 (140) 臨時約法 (141) 約法 (142) 臨時憲法 (143) 臨時約法 (144) 約法 (145) 臨時憲法 (146) 臨時約法 (147) 約法 (148) 臨時憲法 (149) 臨時約法 (150) 約法 (151) 臨時憲法 (152) 臨時約法 (153) 約法 (154) 臨時憲法 (155) 臨時約法 (156) 約法 (157) 臨時憲法 (158) 臨時約法 (159) 約法 (160) 臨時憲法 (161) 臨時約法 (162) 約法 (163) 臨時憲法 (164) 臨時約法 (165) 約法 (166) 臨時憲法 (167) 臨時約法 (168) 約法 (169) 臨時憲法 (170) 臨時約法 (171) 約法 (172) 臨時憲法 (173) 臨時約法 (174) 約法 (175) 臨時憲法 (176) 臨時約法 (177) 約法 (178) 臨時憲法 (179) 臨時約法 (180) 約法 (181) 臨時憲法 (182) 臨時約法 (183) 約法 (184) 臨時憲法 (185) 臨時約法 (186) 約法 (187) 臨時憲法 (188) 臨時約法 (189) 約法 (190) 臨時憲法 (191) 臨時約法 (192) 約法 (193) 臨時憲法 (194) 臨時約法 (195) 約法 (196) 臨時憲法 (197) 臨時約法 (198) 約法 (199) 臨時憲法 (200) 臨時約法 (201) 約法 (202) 臨時憲法 (203) 臨時約法 (204) 約法 (205) 臨時憲法 (206) 臨時約法 (207) 約法 (208) 臨時憲法 (209) 臨時約法 (210) 約法 (211) 臨時憲法 (212) 臨時約法 (213) 約法 (214) 臨時憲法 (215) 臨時約法 (216) 約法 (217) 臨時憲法 (218) 臨時約法 (219) 約法 (220) 臨時憲法 (221) 臨時約法 (222) 約法 (223) 臨時憲法 (224) 臨時約法 (225) 約法 (226) 臨時憲法 (227) 臨時約法 (228) 約法 (229) 臨時憲法 (230) 臨時約法 (231) 約法 (232) 臨時憲法 (233) 臨時約法 (234) 約法 (235) 臨時憲法 (236) 臨時約法 (237) 約法 (238) 臨時憲法 (239) 臨時約法 (240) 約法 (241) 臨時憲法 (242) 臨時約法 (243) 約法 (244) 臨時憲法 (245) 臨時約法 (246) 約法 (247) 臨時憲法 (248) 臨時約法 (249) 約法 (250) 臨時憲法 (251) 臨時約法 (252) 約法 (253) 臨時憲法 (254) 臨時約法 (255) 約法 (256) 臨時憲法 (257) 臨時約法 (258) 約法 (259) 臨時憲法 (260) 臨時約法 (261) 約法 (262) 臨時憲法 (263) 臨時約法 (264) 約法 (265) 臨時憲法 (266) 臨時約法 (267) 約法 (268) 臨時憲法 (269) 臨時約法 (270) 約法 (271) 臨時憲法 (272) 臨時約法 (273) 約法 (274) 臨時憲法 (275) 臨時約法 (276) 約法 (277) 臨時憲法 (278) 臨時約法 (279) 約法 (280) 臨時憲法 (281) 臨時約法 (282) 約法 (283) 臨時憲法 (284) 臨時約法 (285) 約法 (286) 臨時憲法 (287) 臨時約法 (288) 約法 (289) 臨時憲法 (290) 臨時約法 (291) 約法 (292) 臨時憲法 (293) 臨時約法 (294) 約法 (295) 臨時憲法 (296) 臨時約法 (297) 約法 (298) 臨時憲法 (299) 臨時約法 (300) 約法 (301) 臨時憲法 (302) 臨時約法 (303) 約法 (304) 臨時憲法 (305) 臨時約法 (3

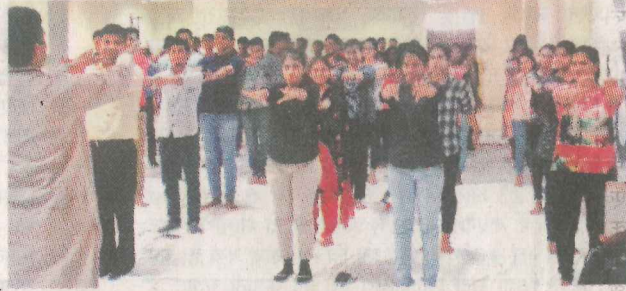


Daily News

डेली न्यूज

Date: 22/06/2017 Page No-12

स्टूडेंट्स ने दिखाया जोश और उत्साह



जयपुर। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आईसीएफआई यूनिवर्सिटी ने स्टूडेंट्स के लिए योग कार्यक्रम रखा। इस दौरान प्रेसिडेंट डॉक्टर पीबीएल चौरासिया ने कहा कि योग आज के समय में सबसे महत्वपूर्ण आयाम है, जिससे कि बच्चे अपने जीवन को बेहतर दिशा दे सकते हैं, साथी जो भी वह पढ़ाई कर रहे हैं, उसमें वह बेहतर मुकाम पा सकते हैं। उन्होंने योग गुरु और ह्यूमन माइंड ट्रेन आरपी सिंह को योग के महत्व और प्रैक्टिकल प्रयोग के लिए आमंत्रित किया। आरपी सिंह ने बताया कि योग का मतलब जुड़ना है जो आज से नहीं सदियों से ही हमारी संस्कृति है और किसी भी युवा का विकास तभी संभव है, जब वह अपनी संस्कृति से जुड़े योग हमारी सांस्कृतिक धरोहर है जो कि सदियों से भारत में प्रयोग की जा रही है।

